

१-३-२०

पत्रावली पत्रा इति वरीन् वदी एवं प्रीवादी उक्त
नदी वरीन् वदी एवं प्रीवादी का रीज का
आवाज नवावा री इति वाव जूद अचना नि वरीन्
वादी एवं प्रीवादी नवावा प्री इति उक्त नदी अतः
वादी का वाद अदम हाजरी अदम पत्रा इति
वरीन् जिया जिया ही पत्रावली फं मल्ल मुमाद
हीन् काद वरीन् वरीन् नि वरीन्
दपतल ही अ

